

ShaneNabi.In





Best Sunni Islamic Website
And Youtube Channel



जो भी नबी के इश्क के सांचे में ढल गया
(हिन्दी नात लीरिक्स)

लिखा है: सज्जाद निज़ामी

Follow us on social:

-  <https://youtube.com/@shanenabi>
-  <https://www.facebook.com/shanenabi.in>
-  <https://www.instagram.com/shanenabi.in>
-  https://twitter.com/ShaneNabi_In

For more lyrics and islamic content please visit <https://shanenabi.in>
This lyrics downloaded/printed from <https://shanenabi.in> website.
For help/request contact us on support@shanenabi.in



जो भी नबी के इश्क के सांचे में ढल गया,
उसका कसम खुदा की मुकद्दर बदल गया (x2)

मेरे रसूले पाक के कदमों को चूम कर,
पत्थर जमी पर मोम की सूरत पिघल गया (x2)

मुश्किल में पड़ गई है मेरी मुश्किलें सभी,
मुश्किल कुशा का नाम जो मुंह से निकल गया (x2)

मैंने तो सिर्फ मसलक अहमद रजा कहा,
सुनकर वहाबियत का जनाजा निकल गया (x2)

जन्नत में उसको देखकर हूँ रे मचल गई,
चेहरे पर अपने खाके मदीना जो मल गया (x2)

सज्जाद की जबान से नाते रसूल को,
सुनकर नबी का चाहने वाला मचल गया (x2)